राजस्थान पत्रिका

# 'तेजपालों' से बचने के गुर सीखना जरूरी: किरण बेदी

- अन्ना और मेरा आम आदमी पार्टी से कोई नाता नहीं
- कानून की जानकारी अहम

बेंगलूरु. इसमें कोई शक नहीं की हर कार्यालय में 'तेजपाल' होते हैं। इसलिए महिलाओं के लिए अब और भी जरूरी हो गया है कि वे 'तेजपालों' से बचने के गुर सीखें। महिलाओं में जागरूकता और कानूनी ज्ञान की कमी का फायदा उठाने से लोग बाज नहीं आ रहे हैं। महिला हो या पुरूष, दोनों को कानून की जानकारी होनी जरूरी है। इससे अत्याचार, हिंसा और उत्पीड़न की घटनाओं पर कम करने में काफी हद तक मदद मिलेगी। यह बात देश की पहली महिला आईपीएस डॉ. किरण बेदी ने कही। वे शुक्रवार को जैन विश्वविद्यालय सीएमएस बिजनेस स्कूल में महिला सशक्तिकरण विषय पर संबोधित कर रही थीं। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध, निवारण) कानून 2013 के संबंध में बेदी ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने करियर के शुरुआती दौर से ही ऐसे कानूनों के बारे में जानना चाहिए जो उन्हें समाज में न्याय और लैंगिक समानता की लड़ाई लड़ने के लिए सक्षम बना सके। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने भविष्य के लिए एक स्पष्ट दूरदर्शिता विकसित करने और सभी चुनौतियों का सामना करते हुए अपने सपने को साकार करने का आवाह्न किया। महिला उत्पीड़न के प्रति जागरूकता लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने छात्राओं से अपने अधिकारों के लिए पक्ष रखने और उसे प्राप्त करने के लिए लड़ने का आवाह्न किया। उन्होंने कहा कि डिग्री और शिक्षा में अंतर होता है। जो पढ़ी लिखी महिलाएं घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, दहेज उत्पीड़न आदि अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठाती हैं, उन्हें शिक्षित नहीं कहा जा सकता है। शिक्षा से ताकत मिलती है। महिलाएं और पुरूष दोनों ही समाज के अद्वितीय पहलू हैं। एक-दूसरे को साथ में लेकर चलना दोनों की जिम्मेदारी है।

## राजनीति में नहीं जाने के फैसले पर अडिग

अरविन्द केजरीवाल से जुड़े एक सवाल पर बेदी ने कहा कि शुरू से ही सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे और उन्होंने राजनीति में नहीं जाने का फैसला किया था और दोनों अपने फैसले पर अडिग हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी से अन्ना और उनका कोई लेना देना नहीं है। राजनीतिक विकल्प अरविन्द केजरीवाल का व्यक्तिगत फैसला है। *(कासं)*